Bihar Board Class 6 Hindi Notes Chapter 3 चिड़िया

चिड़िया Summary in Hindi

कविता का सार-संक्षेप

कवि कहता है- पीपल के पेड़ की ऊँची डाली पर बैठकर चिड़िया गाती . है और अपनी बोली में हमें सन्देश देती है। वह उस पेड़ की डाली पर मिल-जुलकर एक साथ बैठती है। वे जगह के लिये आपस में नहीं झगड़ती और इस प्रकार हमें भी मेल-भाव से रहने की शिक्षा देती हैं। जंगल में अनेक पक्षी रहते हैं .. वहाँ सुग्गे रहते हैं, कोयल रहती है, कबूतरों की टोली रहती है, कौओं का भी बसरा है, हंस और चातक पक्षी (चकवा) भी जंगल में वास करते हैं। ये सभी अलग-अलग समुदाय एवं जाति के पक्षी हैं। इसकी प्रकृति भिन्न है पर उनमें आपस में झगड़े नहीं होते। ये सभी हिलमिल कर रहते हैं। • सारा आकाश ही उनका घर या बसेरा है अतः वे जहाँ चाहते हैं वहाँ रह जाते

अपने परिश्रम से वे दाने इकट्ठे करते हैं – जो बच जाता है उसे औरों के खाने के लिये छोड़ देते हैं। दूसरों का धन लूटकर अपना घर भरने की चाह उनमें नहीं होती। वे तो निर्भय होकर आकाश में विचरण करते हैं – सीमाहीन आकाश उनका अपना साम्राज्य है। अपनी प्रकृति से पूरे मानव समाज को ये एक सीख दे जाती हैं – हम तो स्वछन्द और स्वतन्त्र हैं – तुम गुलामी में क्यों जीना चाहते हो? तुमने तो अपने पैरों में अनेक प्रकार की बेड़ियाँ (बन्धन) डाल रखी हैं। इन बन्धनों को तोड़ो। तुम (मानव) प्रकृति-पुत्र हो – प्रकृति के संग वास करो।

पीपल की डाली पर बैठकर मीठी बोली में गाकर हमें कुछ सुनाती है और फिर नीले आकाश की ओर उड़-फुर्र हो जाती है।

https://www.evidyarthi.in/